संपादकीय

पुलिस के दाग

संयुक्त राष्ट्र के चार मानवाधिकार विशेषज्ञों ने यूपी में मार्च 2017 से अब तक पुलिस द्वारा कथित फर्जी मुठभेड़ों में कम-से-कम 59 लोगों की मौत पर गहरी चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) से जारी एक बयान के अनुसार, इन विशेषज्ञों ने भारत सरकार को इनमें से 15 मामलों के बारे में विस्तार से लिखा है, जिनमें गरीबों को निशाना बनाया गया। हम उनकी बात को यह कहकर टाल नहीं सकते कि यह विदेशी एजेंसी की अपनी सोच है। सच यह है कि यूपी पुलिस पर ऐसे आरोप भारतीय संस्थाओं ने भी लगाए हैं। यूपी पुलिस ने 2017 में बताया था कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार के छह महीनों में 420 एनकाउंटर हुए, जिनमें 15 लोग मारे गए। साल 2018 तक यूपी पुलिस ने 1,038 एनकाउंटर किए थे, जिसमें 32 लोग मारे गए थे।

पुलिस एनकाउंटर की बात स्वीकार करती है पर उन्हें फर्जी नहीं मानती। उसकी दलील रहती है कि गोलियां उसने आत्मरक्षार्थ चलाईं। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि एनकाउंटर के बाद एफआईआर दर्ज करनी होगी और फिर एनकाउंटर की वैधता साबित करनी होगी। दरअसल सोच-समझकर मारने और आत्मरक्षा के लिए चली गोलियों से मारे जाने में फर्क अक्सर इतना बारीक होता है कि इस बारे में पुख्ता राय बड़ी मुश्किल से ही बनाई जा सकती है। वैसे भी सबूत जुटाने और मामले की जांच की जवाबदेही पुलिस की ही होती है, इसलिए उसकी कार्रवाइयों की सचाई सामने नहीं आती। फिर भी मीडिया और कुछ अन्य एजेंसियों ने जब संदिग्ध मौत के कुछ मामलों की परतें हटाने की कोशिश की तो पुलिस के दावों और हकीकत में बड़ी खाई नजर आई। इससे यह संदेह गहराया कि पुलिस ने सुनियोजित कार्रवाई को मुठभेड़ का नाम दे दिया।

वर्ष 2017 में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने पिछले 12 साल का आंकड़ा जारी किया था, जिसमें देश भर से फर्जी एनकाउंटर की कुल 1241 शिकायतें आयोग के पास पहुंची थीं। इनमें अकेले 455 मामले यूपी पुलिस के खिलाफ थे। जब राज्य नेतृत्व अपराधियों से सख्ती से निपटने की बात करता है तो पुलिस बल इसे अपने लिए एक तरह की छूट के तौर पर देखने लगते हैं। सामान्य कानून-व्यवस्था बनाए रखने की बजाय कथित अपराधियों की लाशें गिनाकर वाहवाही पाने की कोशिश शुरू हो जाती है। कई पुलिस अधिकारी जनता की नजर में हीरो बनने या मेडल-प्रमोशन पाने के लिए फर्जी मुठभेड़ का सहारा लेने लगते हैं। कई बार यह धंधा भी बन जाता है। कुछ स्टिंग ऑपरेशनों से यूपी पुलिस पर पैसे लेकर लोगों को मारने के आरोप भी लगे हैं। किसी लोक कल्याणकारी व्यवस्था के लिए यह शर्मनाक स्थिति है। अदालतों में फर्जी मुठभेड़ के जितने भी मामले चल रहे हैं, उनका जल्द निपटारा होना चाहिए और अगर कोई पुलिसकर्मी दोषी पाया जाता है तो उसे दंडित किया जाना चाहिए। हमारे लोकतंत्र की प्रतिष्ठा इसी में है कि व्यवस्था का हर अंग कानून का सम्मान करे।

ई-वे बिल से जीएसटी की चोरी रोकने के लिए सरकार उठा सकती है बड़ा कदम

नई दिल्ली (आरएनएस)। वस्तुओं के परिवहन पर नजर रखने तथा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) चोरी पर लगाम लगाने के लिये जीएसटी ई-वे बिल प्रणाली को अप्रैल से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के फास्टैग प्रणाली से जोड़ा जा सकता है।

राजस्व विभाग ने परिवहन कंपनियों से विचार-विमर्श के बाद ई-वे बिल, फास्टैक तथा डीएमआईसी की लाजिस्टिक्स डाटा बैंक (एलडीबी) सेवाओं को एकीकृत करने के लिये अधिकारियों की एक समिति गठित की है।

एक अधिकारी ने कहा,'यह हमारे नोटिस में आया है कि कुछ परिवहन कंपनियां एक ई-वे बिल सृजित कर वाहनों के कई चक्कर लगवा रहे हैं। ऐसे में ई-वे बिल को फास्टैग के साथ एकीकरण से वाहनों की स्थिति का पता लगाने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे यह भी पता चलेगा कि वाहन ने कितनी बार राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के टोल प्लाजा को पार किया है। अखिल भारतीय स्तर पर एकीकृत प्रणाली अप्रैल से चालू किये जाने की योजना है। कर्नाटक पायलट आधार पर एकीकृत प्रणाली का क्रियान्वयन कर रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर इसके क्रियान्वयन से न केवल वस्तुओं पर नजर रखने में मदद मिलेगी बल्कि यह भी सुनिश्चित होगा कि ई-वे बिल का उपयोग सही यात्रा अवधि के लिये हो।

अधिकारी ने कहा, 'अधिकारियों की समिति सभी संबद्ध पक्षों को इसके लाभ के बारे में जानकारी देगी।' इस कदम से परिवहन के क्षेत्र में परिचालन संबंधी दक्षता बेहतर होगी। उसने कहा, 'इससे उन कारोबारियों द्वारा जीएसटी की चोरी पर लगाम लगाने में भी मदद मिलेगी जो आपूर्ति श्रृंखला में खामियों का लाभ उठाते हैं।' कर अधिकारियों ने अप्रैल-दिसंबर के दौरान 3,626 मामलों में कुल 15,278.18 करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी/उल्लंघन का पता लगाया है।

ई-वे बिल प्रणाली को कर चोरी रोकने का प्रमुख उपाय माना जाता है। इसे 50,000 रुपए से अधिक मूल्य के सामान के एक राज्य से दूसरे राज्य में परिवहन के लिये एक अप्रैल 2018 को लागू किया गया।

अब एटीएम से निकलेंगी दवाईयां, वो भी मुफ्त में

नई दिल्ली (आरएनएस)। अब आपकों दवा लेने के लिए मेडिकल की दुकान ढूंढने की जरूरत नहीं, जल्द ही आप एटीएम से भी दवा निकाल सकेंगे। वो भी मुफ्त में। सरकार दवा वाले एटीएम लगाने पर विचार कर रही है।

आंध्रप्रदेश में 15 जगहों पर ऐसे एटीएम लगाए गए है। इस सफल प्रयोग के बाद देशभर में इस योजना को लागू करने की तैयारी है। ये एटीएम सामान्य प्रिस्क्रिप्शन को स्कैन करने पर दवा देगा। आंध्र प्रदेश में हुए प्रयोग से उत्साहित होकर केंद्र सरकार अब बड़े पैमाने पर दवा वाले एटीएम लगाने की तैयारी कर रही है। इस एटीएम का पूरा नाम है एनी टाइम मेडिसिन जिसमें ब्रांडेड और जेनरिक दवा उपलब्ध होगी। इस एटीएम से टैबलेट के साथ ही सिरप भी मिलेगा। फोन कॉल करके भी इस एटीएम से दवाएं ली जा सकेंगी। इसके लिए मरीज दूर बैठे डॉक्टर को तकलीफ बताएगा। डॉक्टर दवा लिखकर एटीएम किओस्क को कमांड भेजेगा, कमांड मिलते ही एटीएम मशीन से दवा निकलेगी।

नेशनल लिस्ट ऑफ एसेंशियल मेडिसिन लिस्ट में मौजूद अधिकतर दवाएं इस एटीएम में होंगी। इसमें 300 से अधिक जरूरी दवाएं हैं।

पेट्रोल में राहत, डीजल के दाम में बढ़ोतरी जारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। छह दिन बाद बुधवार को पेट्रोल आठ पैसे प्रति लीटर सस्ता हुआ, लेकिन डीजल के दाम में बढ़ोतरी का सिलसिला लगातार सातवें दिन भी जारी रहा। तेल विपणन कंपनियों ने दिल्ली, कोलकाता मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम में बुधवार को आठ पैसे प्रति लीटर की कटौती की, लेकिन डीजल की कीमतें दिल्ली और कोलकाता में 12 पैसे, जबकि मुंबई और चेन्नई में 13 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की गई।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम घटकर क्रमशः 70.33 रुपये, 72.44 रुपये, 75.97 रुपये और 73.00 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। चारों महानगरों में डीजल के दाम बढ़कर क्रमशः 64.59 रुपये, 66.59 रुपये, 67.62 रुपये और 68.22 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं।

मुकेश अंबानी के नाम एक और खिताब, अब मिला यह बड़ा सम्मान

नई दिल्ली। फॉरेन पॉलिसी पत्रिका ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी को 'शीर्ष 100 वैश्विक चिंतक' की 2019 की एनुअल लिस्ट में शामिल किया है. पत्रिका के अनुसार, 2018 में एशिया के सबसे अमीर आदमी के रूप में जैक मा को विस्थापित करने वाले अंबानी को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में स्मार्टफोन इंटरनेट क्रांति में तेजी लाने का श्रेय दिया जाता है.

जियो के जरिये सबसे ज्यादा प्रभाव डाला

पत्रिका ने वेबसाइट पर कहा, '44.3 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ मुकेश अंबानी 2018 में जैक मा को पछाड़कर एशिया के सबसे अमीर आदमी बन गए थे.

अंबानी की कमाई तेल, गैस और खुदरा क्षेत्रों में उनके कारोबार से होती है, लेकिन अपनी नई दूरसंचार कंपनी जियो के माध्यम से वे भारत पर सबसे बड़ा प्रभाव डालने जा रहे हैं.'

जियो को टक्कर देने के लिए बीएसएनएल ने किया बदलाव

अब प्रतिदिन मिलेगा 3.21 जीबी डेटा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने अपने 399 रुपए वाले प्लान में कुछ बदलाव किया है। पहले कंपनी इस प्लान में ग्राहकों को 1 जीबी डाटा देती थी लेकिन अब वह ग्राहकों को प्रतिदिन 3.21 जीबी डाटा इस्तेमाल करने के लिए देगी। यानी पूरे प्लान में आपको कुल 237.54 जीबी डाटा मिलेगा। प्लान की वैधता 74 दिनों की है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इसका फायदा सिर्फ 2जी या 3जी नेटवर्क वाले ग्राहकों को ही मिलेगा। प्लान के बारे में विस्तार से बताए तो इसमें यूजर्स को अनलिमिटेड वॉइस कॉलिंग और 100 एसएमएस प्रतिदिन मिलेंगे।

मोदी कैबिनेट में किसानों और बेरोजगारों के लिए हो सकते हैं बड़े ऐलान

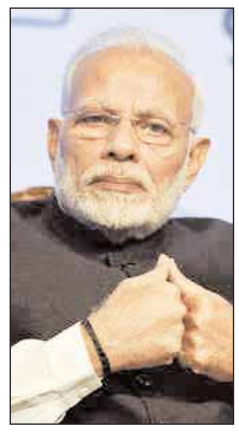

नई दिल्ली। गरीब सवर्णों को 10 फीसदी आरक्षण का लाभ देने के बाद मोदी सरकार अब किसानों, बेरोजगारों और गरीबों को लेकर आज कैबिनेट मीटिंग हो सकती है।

इसमें बैठक में मोदी सरकार किसानों और बेरोजगारों के लिए बड़े ऐलान कर सकती है।

भारत के लिए बुरी खबर, मेंस डबल्स में चुनौती खत्म

ऑस्ट्रेलियाई ओपन मेंस डबल्स में भारतीय चुनौती पहले ही दिन खत्म हो गई जब तीनों जोड़ियों को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। भारत के 15वीं वरीयता प्राप्त रोहन बोपन्ना और दिविज शरण को स्पेन के पाब्लो कारेनो बस्ता और गुलिरेमो गार्सिया लोपेज की गैर वरीय जोड़ी ने 6-1, 4-6, 7-5 से हराया।

टाटा ओपन महाराष्ट्र जीतने के बाद इस भारतीय जोड़ी की ये पहले दौर में लगातार दूसरी हार है। पिछले सप्ताह वे सिडनी इंटरनेशनल में हार गए थे। अपना 24वां ऑस्ट्रेलियाई ओपन खेल रहे लिएंडर पेस और मिगुल एंजेल रेयेस वारेला को अमेरिका के ऑस्टिन क्राइजेक और न्यूजीलैंड के अर्टेम सिटाक ने 7-5, 7-6 से हराया। जीवन नेंदुचेझियान और निकोलस मुनरो की जोड़ी को केविन के और निकोला मेकटिच ने 4-6, 7-6, 7-5 से मात दी। प्रजनेश गुणेश्वरन भी क्वॉलीफायर से मुख्य ड्रॉ में आने के बाद पहले दौर में हार गए थे।

वहीं रामकुमार रामनाथन, अंकिता रैना और करमन कौर थांडी मुख्य ड्रॉ के लिए क्वॉलीफाई नहीं कर सके।

आज का राशिफल

मेष: आपको दूसरों की मदद करने से सकून मिलता है इसलिए आज का दिन परोपकार में व्यतीत होगा। कार्यक्षेत्र में भी आपके पक्ष में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं, इससे व्यथित होकर साथियों का मूड कुछ खराब हो सकता है।

वृषभ: आज का दिन पारिवार के साथ सुखद बीतेगा। भाग्यवश दोपहर तक हर्षवर्धक शुभ समाचार भी मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन: पिता के आशीर्वाद तथा उच्चाधिकारियों की कृपा से किसी बहुमूल्य वस्तु अथवा संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा आज पूरी होगी। आज व्यस्तता अधिक रहेगी, व्यर्थ व्यय से बचें। संध्याकाल से लेकर रात्रि तक वाहनों के प्रयोग में सावधानी बरतें।

कर्क: राशि स्वामी की उत्तम स्थिति एवं राशि पर बृहस्पति का पंचम होकर परिभ्रमण अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति करा कर कोष की स्थिति को सुदृढ़ करेगा।

सिंह: राजनीतिक क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के दायित्व की पूर्ति भी होगी। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे। रूका हुआ कार्य भी संपन्न होगा। खान-पान का विशेष ध्यान रखें।

कन्या: आज कर्मोद्योग में तत्परता से लाभ होगा। स्वजनों से सुख, पारिवारिक मंगल कार्यों की खुशी होगी। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर क्रोध पर काबू रखें।

तुला: आज शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि के योग हैं। आय के नए स्रोत बनेंगे, वाक् पटुता आपको विशेष सम्मान दिलाएगी। भागदौड़ विशेष रहने के कारण मौसम का विपरीत प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, सावधान रहें।

वृश्चिक: आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होकर धन, सम्मान, यश, कीर्ति की वृद्धि होगी। रूका हुआ कार्य सिद्ध होगा। प्रियजनों से भेंट होगी। वाणी पर संयम न रखने से विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

धनु: आज गृहोपयोगी वस्तुओं पर धन का खर्चा होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। ऑफिस में कर्मचारी या किसी संबंधी के कारण तनाव बढ़ सकता है।

मकर: आज व्यवसायिक क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ होने का हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पूर्वापेक्षा अधिक सुदृढ़ होगी। व्यवसाय परिवर्तन की योजना बन सकती है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता और पारिवारिक उत्तरदायित्व पूर्ण होंगे।

कुंभ: राशि स्वामी शनि की मध्यम स्थिति के कारण पत्नी को अकस्मात् शरीर कष्ट होने से भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है। किसी संपत्ति के क्रय-विक्रय के समय उसके पूर्व संपत्ति के सारे वैधानिक पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें।

मीन: आज पास व दूर की यात्रा हो सकती है। बिजनेस में प्रोग्रेस से काफी खुशी होगी। विद्यार्थियों को मानसिक बौद्धिक भार से छुटकारा मिलेगा। सांयकाल के समय घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

ऐसा रहस्यमयी मंदिर जहां भीषण गर्मी में भी पहनने पड़ते हैं गर्म कपड़े

ओडिशा के टिटलागढ़ शहर में एक ऐसा शिव मंदिर है, जहां पर गर्मियों के समय यह स्थान ठंडा हो जाता है। ऐसा तब होता है, जब पूरा देश सूर्य से आने वाली गर्मी की तपन से झुलस रहा होता है।

टिटलागढ़ शहर बलांगिर जिले में है। यह रहस्यमयी मंदिर कुम्हड़ा पहाड़ी पर है। मई-जून के माह में जब टिटलागढ़ का तापमान 55 डिग्री रहता है, तब पहाड़ी पर मौजूद मंदिर का तापमान बहुत कम होता है। यदि मंदिर में कोई भक्त हो तो उसे एसी की कूलिंग का अहसास होगा। यहां ठंड इतनी ज्यादा होती है कि यहां मौजूद पुजारी अपने साथ गर्म कपड़े रखते हैं। कुछ भक्त तो ब्लेजर और कोर्ट पहनते नजर आते हैं।

अजहर ने कहा- अगर ऐसा रहा तो 100 सेंचुरी मारेंगे विराट कोहली

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने विराट कोहली को लेकर अहम बात कही है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफएडिलेड वनडे में विराट ने करियर की 39वीं वनडे सेंचुरी ठोकी, जिसके बाद अजहर ने कहा कि टीम इंडिया के कप्तान अगर आने वाले समय में ऐसे ही फिट रहे, तो वो 100 इंटरनेशनल सेंचुरी ठोक लेंगे। 100 इंटरनेशनल सेंचुरी आजतक मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के अलावा दुनिया का कोई बल्लेबाज नहीं ठोक सका है।

विराट के खाते में फिलहाल 39 वनडे और 25 टेस्ट सेंचुरी दर्ज हैं।

अजहर के मुताबिक, 'विराट कोहली की कंसिस्टेंसी बहुत अच्छी है। अगर वो फिट रहते हैं तो 100 सेंचुरी तक पहुंच जाएंगे। कंसिस्टेंसी की बात करें तो वो दुनिया के कई क्रिकेटरों से आगे हैं। वो शानदार खिलाड़ी हैं और ऐसा कम ही होता है कि उनकी सेंचुरी के बाद टीम इंडिया हारे।'

इसके अलावा अजहर ने महेंद्र सिंह धौनी और दिनेश कार्तिक की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'आप अगर ट्रेंड देखेंगे तो समझ में आएगा कि जब भी भारत के शुरुआत के तीन बल्लेबाज रन बनाते हैं, भारत मैच जीत जाता है। पिछले मैच में हमारा दुर्भाग्य था कि हमने तीन विकेट जल्द गंवा दिए थे।

ऐसे बनाएं पोषक तत्वों से भरपूर पालक की कढ़ी

से बनाएं पोषक तत्वों से भरपूर पालक की कढ़ी, पढ़ें पूरी रेसिपी

सामग्री-

कढ़ी के लिए ' दही- 1 कप ' बेसन- 2 चम्मच ' हल्दी- 1/2 चम्मच ' नमक- स्वादानुसार पेस्ट बनाने के लिए ' पालक- 1 कप ' मिर्च- 1 ' अदरक- 1 टुकड़ा ' जीरा- 1 चम्मच

छौंक के लिए ' जीरा- 1 चम्मच ' सरसों- 1 चम्मच ' हींग- चुटकी भर ' करी पत्ता- 10 ' लाल मिर्च पाउडर- 2 चम्मच ' तेल- आवश्यकतानुसार

विधि- पालक को अच्छी तरह से धो लें। कुकर में पालक, मिर्च, अदरक, जीरा और जरा-सा पानी डालें और एक सीटी लगाएं। कुकर का प्रेशर अपने-आप निकलने दें। उबले हुए पालक को ग्राइंडर में डालकर पीस लें। एक बाउल में दही, बेसन और हल्दी पाउडर डालें। अच्छी तरह से फेंट लें। पैन को गर्म करें और उसमें दही वाला मिश्रण, आधा कप पानी और पालक की प्यूरी डालें। अच्छी तरह से मिलाते हुए धीमी आंच पर कढ़ी को लगातार चलाते हुए पकाएं। जब कढ़ी उबलने लगे तो उसमें स्वादानुसार नमक मिलाएं। इस बात को ध्यान में रखें कि आप कढ़ी को जितना ज्यादा पकाएंगी, उसका स्वाद उतना ही ज्यादा बेहतर होगा। जब कढ़ी तैयार हो जाए तो गैस बंद कर दें। अब एक छोटे-से तड़का पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा और सरसों डालें। जब जीरा पकने लगे तो तेल में करी पत्ता, हींग और लाल मिर्च डालें। कुछ सेकेंड बाद इस तड़का को तैयार कढ़ी में डालकर मिलाएं। रोटी और आलू-शिमला मिर्च की सब्जी के साथ इस कढ़ी को गर्मागर्म पेश करें।

शब्द सामर्थ्य-50

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

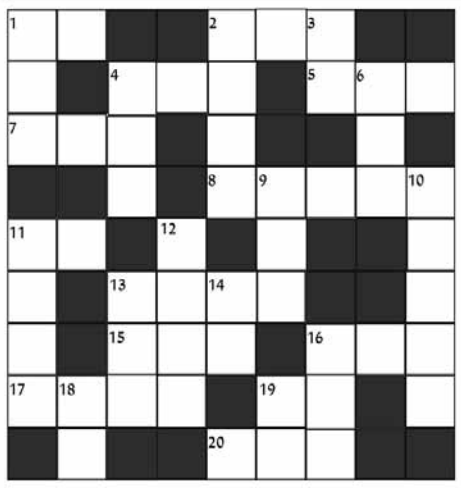

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 49 का हल

मै	दा	न	■	स	र	ग	म	■
त्री	■	सी	■	■	क्षा	■	धु	र्रा
■	सा	ह	स	■	■	■	र	■
स्वा	ग	त	■	स	म	झौ	ता	■
व	र	■	■	र	■	■	■	म
लं	■	वि	ला	स	■	■	दा	म
बी	न	■	ज	■	सा	मा	न	ता
■	ज	■	वा	हि	या	त	■	■
त	र	की	ब	■	ना	■	खा	ली

सू-दोकू-50

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.49 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1